राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

शिक्षा के सुदृढ़ीकरण पर राष्ट्र की प्रगति निर्भर है–राज्यपाल

पटना, 25 जनवरी 2020

''वस्तुतः किसी भी राष्ट्र की प्रगति इस बात पर निर्भर करती है कि वहाँ की शिक्षा–व्यवस्था कितनी सुदृढ़ है। वैश्विक परिदृश्य पर जब हम अपनी नजर दौड़ाते हैं तो पाते हैं कि वही राष्ट्र विकसित देशों की कतार में अगली पंक्ति में खड़े हैं, जिन्होंने शिक्षा के महत्त्व को पूरी गंभीरता से समझा है और उसके विकास के लिए अपने सभी संसाधनों और वित्तीय क्षमता का सदुपयोग किया है।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने स्थानीय पटना वीमेंस कॉलेज सभागार में आज आयोजित कॉलेज के वार्षिक–दिवस–समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि अपने देश में, और खासकर बिहार प्रदेश में भी इस सच्चाई को पूरी संजीदगी से समझा गया है। आज केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार दोनों मिलकर उच्च शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए सार्थक प्रयास कर रही हैं।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार राज्य में कन्या–शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यहाँ ग्रामीण क्षेत्रों में भी दर्जनों छात्राएँ एक साथ साईकिलों से स्कूल जाती आसानी से दीख जाती हैं। स्नातक स्तर तक कन्या शिक्षा राज्य में निःशुल्क दी जा रही है। राज्यपाल ने कहा कि समय ने अब अँगड़ाई ली है, युग बदल रहा है। हमारी बेटियाँ आज ज्ञान–विज्ञान के हर क्षेत्र में अपना जौहर दिखला रही हैं। वे चाँद–सितारों पर भी पहुँचने में पीछे नहीं हैं। हिमालय के शिखरों पर भी तिरंगा लहरा आती हैं। देश की बागडोर सँभाल कर भी शासन–प्रशासन चला लेती हैं। खेल की दुनियाँ हो या वैज्ञानिक और औद्योगिक विकास की चहलकदमी –हर जगह हमारी बच्चियाँ अपनी प्रतिभा की अद्‌भुत मिशाल पेश करती हैं। राज्यपाल के कहा कि आज राज्य के विश्वविद्यालयों के 'दीक्षांत–समारोह' में 20 में से 15 स्वर्णपदक छात्राओं को ही हासिल हो रहे हैं। यह 'महिला सशक्तीकरण' की ओर हमारे बढ़ते तेज कदमों की ही निशानी है।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि उच्च शिक्षा में विकास–प्रयासों को तेज किया जा रहा है। 'शैक्षणिक कैलेण्डर' लागू किये गये हैं। अब समय से 'दीक्षांत समारोह' आयोजित कर डिग्री–वितरण हो रहे हैं। विश्वविद्यालयों में नियमित पदों पर नियुक्ति के साथ–साथ, बी॰पी॰एस॰सी॰ के मानकों के ही अनुरूप रोस्टर नियमों का पालन करते हुए तात्कालिक व्यवस्था के तौर पर 'गेस्ट फेकेल्टी' के रूप में नियुक्तियों के निदेश दिये गये हैं। विश्वविद्यालयों में वित्तीय अनुशासन बहाली हेतु कई ठोस कदम उठाये गए हैं। राज्यपाल ने कहा कि 'यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट इनफॉर्मेशन सिस्टम' (UMIS) भी लागू हुआ है, जिससे शिक्षकों एवं छात्रों को प्राप्त होनेवाली कई महत्त्वपूर्ण सुविधाएँ कम्प्यूटरीकृत हो जायेंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में शौचालय एवं गर्ल्स कॉमन रूम तेजी से बन रहे हैं। पुस्तकालयों और प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण हेतु अलग से राशि आबंटित की गई है। 'नैक–मूल्यांकन' की तैयारी हेतु भी महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को निदेशित किया गया है।

आगे पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने पटना वीमेंस कॉलेज की छात्राओं और शिक्षिकाओं को कॉलेज द्वारा लगातार तीसरी बार नैक–प्रत्ययन में 'ए' ग्रेड हासिल करने तथा सराहनीय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने पर बधाई और शुभकामनाएँ दी।

समारोह में बोलते हुए पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि तैयार हो रही 'नई शिक्षा नीति' में मातृ, मातृभाषा और मातृभूमि पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने राष्ट्रीय एकता, भाईचारा और सामाजिक सद्भावना को विकसित करना शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बताया।

कार्यक्रम को महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्या सिस्टर डोरिस डि'शूजा ने भी संबोधित किया। स्वागत–भाषण महाविद्यालय की प्राचार्या सिस्टर रश्मि ए॰सी॰ ने किया। समारोह में पटना विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति प्रो॰ डॉली सिन्हा एवं कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा भी उपस्थित थे। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाली छात्राओं को महामहिम राज्यपाल ने पुरस्कृत भी किया। कार्यक्रम में छात्राओं ने देशभक्ति एवं प्राकृतिक सुषमा पर आधारित गीत–संगीत, नृत्य–नाटिका आदि के कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये।

.....